citizens of Delhi are in suspense. They do not known what is happening. It is right when he says that 200,000 houses of people are lying vacant because the landlords are very apprehensive whehter this law will be applicable or not. Similar is the case in regard to the other portion also. these are two instances that Mr. Som Pal has cited in order to draw the attention of the Government that Parliament is being degraded, degenerated into this debate. What is this government doing? I fully associate myself with the sentiments expressed by my colleague, Mr. Som Pal and joined by Mr. Salve, that Parliament should not be taken so lightlyin such matters and the entire House will appreciate this. After all, we are ourselves responsible for degrading, degenerating our institution through such methods *(Interruptions)*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI TRILOKI NATH CHATURVDI): We have discussed this matter thoroughly and I think all of us share the feelings expressed by Mr. Som Pal and so ably supported by Mr. Salve and Shri Satish Agarwal that the rights and privileges of this House should be fully protected and nothing should be done that might delay things or withdraw them in a way that shows that this House is treated in a casual manner. I think these feelings are shared by all.

SHRI SOM PAL: Mr. Vice-Chairman, Sir, I would like to read only one sentence.

> "I wish to raise the issue of non-gazetting of Delhi Rent Act and by-passing of Parliament in Sugar Export Promotion Repeal Bill through Zero Hour."

This is my letter to the hon. Chairman. Therefore, I have not said anything irrelevant.

उपसभाध्यक्ष (श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी'): जो आपने कहा सब रेलेवेंट है, इसमें कोई दो राय नहीं है।

SHRI SATISH AGARWAL: You are the only relevant person in the Janata Dal. Unfortunately, Janata Dal does not recognise your relevance.

SPECIAL MENTIONS

Danger Posed to the Population due to caving in of earth in Jharia and Ranigunj Collieries

श्री एस०एस० अहलुवालिया (बिहार): उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं आपके सामने एक बड़ी ही दर्दनाक घटना का उल्लेख करना चाहता हूं और आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। महोदय, पिछले वर्ष अक्टूबर के महीने में धनबाद-झरिया इलाके में चौरसिया परिवार जो रात को सोए तो बिस्तर, खटिया और बेड सहित पता नहीं किस पाताल मे. धरातल में विलीन हो गए कि आज तक पता नहीं लग सका है। यह कोई नयी घटना नहीं है। पश्चिम बंगाल के रानीगंज की कोल फील्ड के इलाके में और बिहार के धनबाद झरिया इलाके में कोयला तो निकाला गया लेकिन कोयला निकालने के बाद जो सेफ्टी मेजर्स मेन्टेन करने चाहिये, वे नहीं करने के कारण आज ये घटनाएं घट रही हैं। ऊपर आग तो जल रही है, धरती के नीचे भी आग जल रही है और जमीन धंसने का यह एक भयावह दृश्य अगर देखना हो तो झरिया के इलाके में बंगाल के रानीगंज की कोल फील्ड के इलाके मे जाकर देखें। चौरसिया परिवार के अचानक रात को खाना वगैरह खाकर सोने के बाद पाताल में विलीन होने के बाद लोगों की जरा नजरें उठीं और बिहार सरकार, बंगाल सरकार, सबने इस पर इंक्वायरी शुरू की महोदय, जो इंक्वायरियां हो रही हैं वैज्ञानिक कहते हैं कि झरिया इलाके में करीब 50 से 60 हजार करोड़ का कोयला दबा हुआ है इसलिए उसको निकालना जरूरी है। आपको पता है जब कोयला खदानों का राष्ट्रीयकरण हुआ था तो उन पर आरोप लगाया गया था श्रम और मजदूरों के दोहन और शोषण का और दूसरी तरफ उन पर यह आरोप लगाया गया कि वे माइन्स सेफ्टी रुल्स को मेन्टेन नहीं करती हैं। पर दुर्भाग्य की बात यह है कि केन्द्रीय सरकार ये कोयला खदानें चलाती है और माइन्स एण्ड सेफ्टी रुल्स को आज मेन्टेन नहीं कर रही है। आज हम इन कारणों में जाएं कि किन कारणों से वहां पर ये इलाके धंस रहे हैं या वहां की दीवारें फट रही हैं। आप नया मकान बनाते हैं, चार दिन के बाद कोई भी घटना घट जाती है कि घर की दीवारों में दरार आ जाती है या आपके बरामदे मे दरार आ जाती है या आपके फर्श पर दरार आ जाती है तथा एक दिन आप देखते हैं कि आप सोए के सोए, पलंग के

समेत, मच्छरदानी के समेत गायब हो गए और सुबह आपका परिवार आपको ढूढता रहता है कि आप कहां गए। ऐसी घटनाओं का अवलोकन करते हुए बिहार विधान परिषद ने एक टीम भेजी और उन लोगों ने इस पर विचार करते हुए कहा कि यह खदान में विस्फोटक, गलत ढंग से खनन कार्य करने के कारण हो सकता है, खदान मे विस्फोटक प्रयोग की अनियमितताओं के कारण हो सकता है, पास-पड़ोस की खदानों में आग लगने के कारण हो सकता है या गोफ में हलचल होने के कारण हो सकता है। चाहे यह गोफ की हलचल हो चाहे वहां आग लगने का कारण हो नियम यह है कि जब कोयला निकाल लिया जाता है तो उसमें लकड़ी की बल्ली की पैकिंग देकर क्योंकि और नहीं धंसे, सैंड पैकिंग कर दी जाती है, पूरा बालू से भरा जाता है। महोदय, हम लोगों ने देखा है कि रातों रात बालू सप्लाई करने वाले, कोयला खदानों में बालू सप्लाई करने वाले करोड़पति हो गए, अरबपति हो गए। पता नहीं वह बालू सप्लाई होती है कि नहीं...

उपसभाध्यक्ष (श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी): आप जरा संक्षेप में कर दीजिए।

श्री एस॰एस॰ अहलुवालिया : संक्षेप में है। महोदय, यह बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा है।

उपसभाध्यक्ष (श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी): आपने प्रभावी ढंग से कह दिया है।

श्री एस॰एस॰ अहलुवालिया : मैं आपके माध्यम से इसको सरकार को बताना इसलिए जरूरी समझता हूं कि सरकार ने कभी इसको गवारा नहीं समझा—केन्द्रीय सरकार ने। जब इनको प्रायवेट कोयला खदानों से लिया गया था उस टाइम कहा था कि माइन्स सेफ्टी रूल्स मेन्टेन या नहीं करते हैं। आज केन्द्रीय सरकार भी माइन्स एण्ड सेफ्टी रूल्स को मेन्टेन नहीं कर रही है। वहां तो जरूरी है कि दोनों संसद से एक स्पेशल टीम इमीडिएटली जाए क्योंकि वहां के लोगों को डर है कि इस बार जो बारिश होगी और बरसात आएगी और पानी जो चारों तरफ जमा होगा इसके भार से और भी वहां पर केव-इन या सब्सीडेंस हो सकता है या इस तरह की दरारें आ सकती हैं और हो सकता है कि एक दिन सुबह आपको अखबार में पढ़ने को मिले कि रानीगंज का पूरा शहर, झरिया का पूरा शहर इस तरह पाताल मे विलीन हो गया। यह मैं नहीं चाहता। मेरी वाहे गुरू के सामने या भगवान के सामने परमपिता परमेश्वर के सामने प्रार्थना है कि ऐसा न हो। पर उसके लिए जागरूक करना चाहता हूं आपके माध्यम से सरकार को कि सरकार तुरंत इस पर कार्यवाही करे। अब बहुत वैज्ञानिक संशोधन हो गए हैं, बहुत सारी कमेटियां बन गयी हैं, बहुत सारी विजिटिंग टीमें जा चुकी हैं...(समय की घंटी) महोदय जरा-सी बात है। इसकी गंभीरता को समझिए। इस गंभीरता को समझाने के लिए हमने कहा कि जरा लंच आवर को खत्म कर दें क्योंकि अब यह टाइम आ रहा है कि इस पर ध्यान दिया जाए, इसको रोका जाए। मुझे पता लगा है कि माइन सेक्रेट्री और बिहार के चीफ सेक्रेट्री तथा बंगाल के चीफ सेक्रेट्री की एक कमेटी बनायी गयी है। पर यह कमेटियों का समय नहीं है। बरसात आने वाली है। एक चौरसिया परिवार तो गया। ऐसे पता नहीं कितने चौरसिया परिवार बन जायेंगे और इनको रोकने के लिए यही एक रास्ता है कि तुरंत कार्यवाही करें। उपसभाध्यक्ष महोदय, हमारे वहां पर एक हिसाब दिया गया था कि 15 से 16 हजार करोड़ रुपया लगेगा इनको स्थानांतरित करने के लिए, झरिया की पूरी जनता को वहां से स्थानांतरित कर दिया जाए और दूसरी जगह ले जाया जाए। उपसभाध्यक्ष महोदय, उसके लिए...**(व्यवधान)**

उपसभाध्यक्ष (श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी): देखिए, अब आप बहुत ही विस्तार में जा रहे हैं। ....**(व्यवधान)** देखिए थोड़ा सा ऐसा है कि यह लंच आवर सब के लिए हुआ हुआ है और आपकी गंभीरता को मैं समझता हूं। कृपा आप....**(व्यवधान)** अब आप समाप्त करिए लोगों को भी वक्त मिलना चाहिए।

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: उपसभाध्यक्ष महोदय, कमेटी ने जो बातें लिखी है मैं उनको आपके सामने लाना चाहता हूं। कृपया आप थोड़ा सा समय दें और उसको आप जान लें।....**(व्यवधान)**

उपसभाध्यक्ष (श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी): नहीं प्लीज़ बहुत ज्यादा समय दिया है। ....**(व्यवधान)**

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: उपसभाध्यक्ष महोदय, इसके लिए जरूरी है कि कोई ऐसी जगह ढूंढी जाए जहां पर बंजर जमीन हो लेकिन रहने की सुविधा हो। जो व्यवसायियों को उठाकर झरिया से और रानीगंज से दूसरी जगह बसायेंगे वहां उनके व्यवसाय का बंदोबस्त हो। आज पोल्यूशन के नाम पर सुप्रीम कोर्ट ने निर्णय दिया कि दिल्ली से सारी इंडस्ट्री उठाकर बाहर ले जाई जायें। उसी तरह इनकी जान बचाने के लिए , इनके माल और असबाब की रक्षा करने के लिए आज यह केन्द्र सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि राज्य सरकार के

साथ बात करके उसको पैसा दे, क्योंकि सारा कोयला खदान केन्द्रीय सरकार के अंदर रहता है और यह सारा उनके नीचे से केन्द्रीय सरकार ने निकाला है और यह पैसा देकर उसकी मदद करे। ....(व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी: सोज़ साहब यहां पर उपस्थित हैं वे उनके मंत्री जी को यह वहां पहुंचा देंगे कि आपका आशय क्या है। ....(व्यवधान)

सैयद सिब्ते रज़ी (उत्तर प्रदेश): मान्यवर, उत्तर प्रदेश ....(व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी: नहीं, आप बैठिए ....(व्यवधान) **यह उत्तर प्रदेश का मामला नहीं है। ....(व्यवधान)**

सैयद सिबते रज़ी: उत्तर प्रदेश का नहीं, लेकिन मैं चाहूंगा कि सरकर को तुरन्त एक वक्तव्य लाना चाहिये हजारों लोगों की जान का खतरा है। और अगर यह मामला टल गया तो ठीक नहीं रहेगा। इसी सैशन में सरकार को एक वक्तव्य लाना चाहिये और इसके लिए आप निर्देश दें।...(व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी) : मिश्रा जी बिहार से हैं।...(व्यधान) **बस** एक मिनट मिश्र जी।

डा॰ जगन्नाथ मिश्र (बिहार): उपसभाध्यक्ष जी, इस मामले के साथ मैं भी अपने को सम्बद्ध करता हूं इस निवेदन के साथ कि वहां जिला प्रशासन को हिदायत दी गई पहले भी पुनर्वास के बारे में, जमीन अर्जित करने के बारे में और विस्थापित लोगों को पुनर्वासित किया जाए, लेकिन स्थानीय प्रशासन की ओर से कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। जमीन की उपलब्धता रहने के बावजूद भी जमीन नहीं ली जा रही है। जो गंभीर परिस्थिति वहां बनती जा रही है उसको देखते हुए लगता है कि फिर से सरकार को विशेषज्ञों की एक समिति बना करके एक व्यापक योजना तो बननी ही चाहिये लेकिन तत्काल जैसा कि माननीय अहलुवालिया जी ने कहा है कि इस समय उनको क्या राहत दी जा सकती है। जो पुरानी स्कीमें थीं उनमें तीव्रता लाई जाए और लोगों की जान-माल की रक्षा की जाए, क्योंकि यह मामला काफी गंभीर है।...(व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी) : मिश्र जी,बुहत-बहुत धन्यवाद।

डा॰ जगन्नाथ मिश्र: यह मामला काफी गंभीर है...(व्यवधान) भारत सरकार को सहायता करनी चाहिये...(व्यवधान) उत्तर देना चाहिये कि यह कार्यवाही हम करने जा रहे हैं। ...(व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी) : यह बुहत ही गंभीर मामला है हम सब जानते है कि इस तरह की यह बिहार की समस्या और भी कुछ जगहों में है, मगर यह जो समस्या अभी आपने उठाई है रानीगंज और झरिया कोइलरी की इसके संबंध में बहुत पहले ही कहा जा चुका है इसीलिए कि कार्यवाही हो तो मैं समझता हूं कि सरकार का क्या रेसपास है यह आना चाहिये शीघ्रतिशीघ्र एक दीर्घकालीन लंबी योजना बने और तुरन्त क्या कर सकते हैं उसको भी लिया जाए।...(व्यवधान)

THE MINISTER OF ENVRONMENT AND FORESTS (PROF. SAIFUDDIN SOZ): Sir, I will convey the sentiments of the House, particularly to the hon. Prime Minster, immediately.

श्री रंजन प्रसान यादव (बिहार): मैं भी अपने को इससे सम्बद्ध करता हूं।

श्री वसीम अहमद (उत्तर प्रदेश) मैं भी अपने को अहलुवालिया जी से सम्बद्ध करता हूं।

उपसभाध्यक्ष (श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी) : पूरा सदन इस मामले से अपने को सम्बद्ध करता है।

Demand of CBI Enquiry into Publication of Photograph Implicating Ex-Chief Minister with assassin of Late Rajiv Gandhi

SHRI R. MARGABANDU (Tamil Nadu): Respected Vice-Chairman, Sir, I would like to raise an important issue.

A photo which was taken in the year 1988 of the General Secretary of our Party, Mr. *Puratchi Thalaivi* with AIADMK party advocates was published now characterising an advocate Thiru Nanje Gowda as the one-eyed Sivarasan and another lady advocate Dakshayani as Thanu, the assassins of Shri Rajiv Gandhi. It has been widely published in two prominent daily newspapers, *The Indian Express and Dinamani* on the 27th March, 1997. It was also published in the Tamil bi-weekly magazine, *Junior Vik-*